LIBRARY
Hiralal Mazumdar Memorial College for Women
Dakshineswar, Kolkata-35

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours/Programme 2nd Semester Examination, 2019

HINHGEC02T/HINGCOR02T-HINDI (GE2/DSC2)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) 'कबीर' आलोचनात्मक पुस्तक के लेखक का नाम बताइए।

(ख) 'जायसी ग्रंथावली' के संपादक कौन हैं ?

(ग) मीराँबाई के गुरु का नाम बताइए।

(घ) बिहारी किसके दरबारी कवि थे ?

(ङ) घनानंद रीतिकाल की किस धारा के कवि हैं ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15

(क) नागमती चितउरं पथ हेरा। पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा॥
नागर काहु नारि बस परा। तेइ मोर पिउ मोसौं हरा॥

(ख) ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं॥

(ग) पग घुँघरु बाँध मीराँ नाची रे।
मैं तो नारायण की, आपहि होगई दासी रे॥

(घ) मानुष हौं तो वही रसखान, बसौं मिली गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन॥

(ङ) कहत–नटत–रीझत–खीझत–मिलत–खिलत–लजियात।
भरे भौन में करत हैं नैनन ही सो बात॥

3. कबीर की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना पर सोदाहरण विचार कीजिए। 15

अथवा

सूरदास की काव्यगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

4. बिहारी की काव्य–कला की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 15

अथवा

'प्रेम की पीर के कवि' के रूप में घनानंद का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए।

——×——